मुख्य जनसंपर्क अधिकारी
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे, मालीगाँव
गुवाहाटी – 781011 (असम)

Chief Public Relations Officer
N. F. Railway/Maligaon
Guwahati - 781011 (Assam)

प्रेस विज्ञप्ति/PRESS RELEASE

संख्या: 060

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (निर्माण संगठन) के नए महाप्रबंधक बने श्री आशीष बंसल

मालीगांव, 18 फरवरी, 2026:

यूपीएससी 1989 बैच के भारतीय रेलवे इंजीनियर्स सेवा के अधिकारी श्री आशीष बंसल ने पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (निर्माण) के महाप्रबंधक का कार्यभार संभाल लिया है। पू. सी. रेलवे (निर्माण) के बतौर महाप्रबंधक ज्वाइन करने से पहले वे मार्च, 2023 से भारत सरकार के अधीनस्थ रेल मंत्रालय में प्रधान कार्यकारी निदेशक (ट्रैक मॉडर्नाइजेशन एंड मशीन्स) के पद पर कार्य किया। बतौर महाप्रबंधक वे पू. सी. रेलवे के क्षेत्राधिकार यानी सिक्किम समेत सभी पूर्वोत्तर राज्य और पश्चिम बंगाल एवं बिहार के कुछ हिस्सों में आने वाले सभी रेल निर्माण गतिविधियों के प्रभारी होंगे।

जनवरी, 1991 में भारतीय रेलवे सेवा ज्वाइन करने के बाद, श्री बंसल को रेलवे ऑपरेशन के कई क्षेत्रों में लंबा और व्यापक अनुभव है, जिसमें आरडीएसओ एवं डीएमआरसी सहित रेलवे बोर्ड और विभिन्न रेलवे ज़ोन में ट्रैक मेंटेनेंस, पॉलिसी बनाना, ब्रिज इंजीनियरिंग, मेट्रो कंस्ट्रक्शन शामिल है। उन्होंने पूर्व मध्य रेलवे के अधीन धनबाद मंडल में मंडल रेल प्रबंधक के रूप में अपनी सेवा दी और भारतीय रेलवे के सभी मंडलों की तुलना में सर्वाधिक माल लोडिंग और माल राजस्व हासिल करने का गौरव दिलाया। इसके अलावा, उन्होंने इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक का पदभार भी संभाला है।

आरडीएसओ के ट्रैक मशीन निदेशालय में अपने कार्यकाल के दौरान, वे ट्रैक रिकॉर्डिंग सिस्टम और ट्रैक रिकॉर्डिंग डेटा का उपयोग कर ट्रैक मेंटेनेंस के लिए दिशा-निर्देश बनाने में अपने दायित्व का निर्वाह किया। यूएसए से आयातित एक हाई-स्पीड ट्रैक रिकॉर्डिंग कार को संचालित करने तथा दो अतिरिक्त ट्रैक रिकॉर्डिंग कारों को चालू करने में अपनी अहम भूमिका निभाई। उन्होंने मेंटेनेंस प्लानिंग और मॉनिटरिंग के लिए ट्रैक रिकॉर्डिंग डेटा के इस्तेमाल पर दो लेख भी लिखे। उत्तर रेलवे के मुख्य ट्रैक इंजीनियर के तौर पर अपने कार्यकाल में, वे लगभग 10000 कि.मी. नेटवर्क के ट्रैक मेंटेनेंस के साथ-साथ ट्रैक रिन्यूअल के कार्यों में शामिल थे।

भारत सरकार के अधीनस्थ रेल मंत्रालय में प्रधान कार्यकारी निदेशक (ट्रैक मॉडर्नाइजेशन और मशीन्स) के तौर पर अपनी पिछली भूमिका में, उन्होंने ट्रैक मॉडर्नाइजेशन के कार्यों का कुशल नेतृत्व किया, जिसमें बढ़े हुए एक्सल लोड और ट्रैफिक को संभालने के लिए ट्रैक मशीन फ्लीट को बढ़ाने पर फोकस किया गया था। एक स्ट्रक्चर्ड रेल ग्राइंडिंग प्रोग्राम पर उनके नेतृत्व के कारण ट्रैक परफॉर्मेंस और लंबे समय तक उपयोग करने में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जिससे भारतीय रेलवे को ऑपरेशनल लाभ मिले हैं। उनके कार्यकाल के दौरान सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक उपलब्धियों में से एक, भविष्य में 25टी एक्सल लोड और हाई स्पीड ऑपरेशन के लिए स्वदेशी मॉडर्न फास्टनिंग सिस्टम को अपनाने की पॉलिसी को अंतिम रूप देना था, ताकि अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा किया जा सके, ताकि ज्यादा विश्वसनीयता, सख्त सहनशीलता और दीर्घकालीन सेवा अवधि सुनिश्चित हो सके। पीएससी स्लीपर मैन्युफैक्चरिंग में पूरी तरह से ऑटोमेटेड कैरोसेल-बेस्ड क्लोज्ड-लूप सिस्टम के साथ प्रिसिजन मैन्युफैक्चरिंग की नींव रखने के लिए एक बड़ा मॉडर्नाइजेशन पहल किया गया है। उनके पिछले दो वर्षों के कार्यकाल के दौरान, 695 ट्रैक मशीनों का ऑर्डर भी दिया गया था। इसके अलावा, ट्रैक विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए 680 और ट्रैक मशीनें प्रोक्योरमेंट के विभिन्न चरणों में हैं।

(कपिंजल किशोर शर्मा)
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी

नवीनतम समाचार और अपडेट्स के लिए, कृपया हमें ट्विटर @RailNf और फेसबुक @NFRailway पर अनुसरण करें